BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (19.11.2024)

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 19.11.2024, PAGE-02

दो सप्ताह बाद छात्र संवाद पेंडिंग रिजल्ट व डिग्री संबंधी शिकायतें लेकर पहुंचे छात्र

मुजफ्फरपुर| बीआरएबीयू के पुराने गेस्ट हाउस में दो सप्ताह बाद सोमवार को आयोजित छात्र संवाद में पेंडिंग रिजल्ट और डिग्री से संबंधित मामले आए। मुजफ्फरपुर सहित अन्य जिलों से आए छात्र-छात्राओं ने पदाधिकारियों को अपनी समस्याएं बताईं। मोतिहारी के एक छात्र ने बताया कि पीजी की परीक्षा में उपस्थित होने के बाद भी उसे अनुपस्थित बताकर परिणाम पेंडिंग कर दिया गया है। विश्वविद्यालय में इसको लेकर एक बार पूर्व में भी आवेदन दे चुका है। लेकिन, अबतक परिणाम सुधार नहीं किया गया है। पीजी के कई छात्रों ने आधा से दो नंबर तक कम मिलने पर फेल होने की बात कही। उनका कहना था कि सही प्रश्न के लिए एक नंबर कम देकर फेल कर दिया गया है। भगवानपुर से आई छात्रा ने बताया कि 2011-13 में बीएड उत्तीर्ण करने के बाद 2015 में ही डिग्री के लिए आवेदन किया था। अबतक उसकी डिग्री नहीं बनी। कॉलेज में जाने पर विश्वविद्यालय से डिग्री मिलने की बात कही गई। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुबालाल पासवान ने डिग्री व पेंडिंग से जुड़ी समस्याओं को एक सप्ताह के भीतर दूर करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि एक-दो नंबर से फेल वाले स्टूडेंट्स का प्रस्ताव परीक्षा बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा। छात्र संवाद में डीएसडब्ल्यूओ डॉ. आलोक प्रताप सिंह, डिप्टी कंट्रोलर-2 डॉ. आनंद प्रकाश दूबे, परीक्षा विभाग के कर्मचारी दीपेंद्र भारद्वाज, अमन कुमार मौजूद रहे।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 19.11.2024, PAGE-02

दिसंबर में शुरू होंगी वोकेशनल कोर्स की परीक्षाएं, 25 तक भरा जाएगा परीक्षा फॉर्म

मुजफ्फरपुर| बीआरएबीयू के पीजी विभाग और कॉलेजों में संचालित वोकेशनल कोर्स की परीक्षाएं दिसंबर में शुरू होंगी। सोमवार से ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई। परीक्षा फॉर्म 25 नवंबर तक भरा जाएगा। स्टूडेंट को कहा गया है कि विवि की वेबसाइट से परीक्षा फॉर्म डाउनलोड कर लें और सही से भरकर विभाग या कॉलेजों में निर्धारित अवधि में जमा करें। अगले महीने बीबीए व बीसीए के फर्स्ट, थर्ड व फिफ्थ सेमेस्टर, एमबीए के फर्स्ट व थर्ड सेमेस्टर, एमसीए के फर्स्ट, थर्ड व फिफ्थ सेमेस्टर, वी.वोक के फोर्थ सेमेस्टर, पीजीडीसीए के फर्स्ट सेमेस्टर, एचजेएमसी के फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा होनी है। इसके साथ ही रशियन सर्टिफिकेट कोर्स के फर्स्ट सेमेस्टर और डिप्लोमा कोर्स के फर्स्ट सेमेस्टर व थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा भी ली जाएगी।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 19.11.2024, PAGE-02

एमएड के लिए कॉलेज का आवंटन, 28 नवंबर तक लिया जाएगा एडमिशन

मुजफ्फरपुर| बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के तीन कॉलेजों में एमएड में 28 नवंबर तक नामांकन होगा। सोमवार को विश्वविद्यालय की ओर से मेरिट लिस्ट के साथ आदेश जारी कर दिया गया है। कहा गया है कि मेरिट लिस्ट के आधार पर नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर 29 नवंबर तक विद्यार्थियों की सूची उपलब्ध करा दें। इसमें शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय तुर्की, ललित नारायण मिश्र कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और विशुन राजदेव टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज शामिल हैं।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 19.11.2024, PAGE-02

समर्थ पोर्टल पर मिलेगी एडमिशन से लेकर डिग्री तक के आवेदन की सुविधा

तैयारी : पोर्टल पर 43 से अधिक मॉड्यूल जोड़े गए, एकाउंट व फिनांस की भी रहेगी जानकारी, सूबे के सभी विवि जुड़ेंगे, उच्च शिक्षा विभाग ने आयोजित की कार्यशाला

समर्थ पोर्टल के लिए विश्वविद्यालय में बनेगा आईटी सेल

आवेदन से डिग्री तक की जानकारी एक पोर्टल पर मिलेगी

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE: 19.11.2024, PAGE-03

एलएस कालेज में डा.मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का राज्यपाल ने किया अनावरण

मृदुला ने साहित्य में लोक संस्कृति को रचा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि मृदुभाषी डा. मृदुला सिन्हा में उन्हें अपनी मां की झलक दिखती थी। जब वे राज्यपाल बनकर गोवा पहुंची थीं तो उन्हें लगा कि जैसी उनकी अपनी मां लौटकर आ गई हैं। उन्होंने पद्मश्री मृदुला सिन्हा को माता स्वरूपा ही देखा है। अपनी माता तुल्य गोवा की पूर्व राज्यपाल की प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए स्वर्णिम क्षण है। वे सोमवार को एलएस कालेज स्थित चिल्ड्रेन पार्क में डा. मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद कृपलानी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान दे रहे थे।

'सहजता की भव्यता' विषय पर आयोजित परिचर्चा में राज्यपाल ने कहा कि वे हमेशा सहज भाव से मिलती थीं। देश-दुनिया, सरकार के साथ परिवार का भी कुशलक्षेम पूछती थीं। मृदुला सिन्हा ने अपने साहित्य में बिहार की लोक संस्कृति को रचा है। इसे अपनी रचनाओं का केंद्र में रखा। वे हिंदी भाषा के विकास के लिए आजीवन प्रयास करती रहीं। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों की संस्कृतियों को जानने में काफी दिलचस्पी थी। कला की उपासक और साहित्य साधना में रत रहने वाली डा. सिन्हा का व्यक्तित्व अनुकरणीय है। शहरीकरण की चकाचौंध में भी मृदुला सिन्हा ने संयुक्त परिवार की जरूरत और दादी-नानी की अहमियत को बचाए रखने पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि वे बड़े ही सहज भाव से लोगों के लिए सुलभ होती थीं। अहंकार उन्हें तनिक भी छू नहीं पाया था। कहा कि बिहार के लोकचित्र को गोवा के लोगों के सामने रखा। वे स्वयं लोगों के घर जाने लगीं। गोवा की लोक संस्कृति को समझने की कोशिश की। इसके लिए उन्होंने महिला संगठनों को राजभवन में आमंत्रित किया। गोवा की संस्कृति क्या है, इससे वे परिचित हुईं। उनका कार्यकाल गोवा के लिए स्वर्णकाल के समान था। डा. मृदुला सिन्हा की प्रतिमा डा. तारण राय ने मंगवाकर स्थापित की है। इसी का अनावरण समारोह संपन्न हुआ।

एलएस कालेज में गोवा की पूर्व राज्यपाल पद्मश्री मृदुला सिन्हा की प्रतिमा के अनावरण समारोह का शुभारंभ करते राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर (दाएं से तीसरे) • जागरण

- सहजता की भव्यता विषय पर आयोजित परिचर्चा में शामिल हुए राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर
- बोले-मृदुला सिन्हा में दिखती थी अपनी मां की झलक, प्रतिमा का अनावरण करना स्वर्णिम क्षण

इससे पहले कालेज में पहुंचने के बाद राज्यपाल को गार्ड आफ आनर दिया गया। चिल्ड्रेन पार्क में पहुंचकर उन्होंने मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय ने की। एलएस कालेज के प्राचार्य डा. ओपी राय ने स्वागत भाषण किया। कार्यक्रम का संचालन डा. मोनालिसा और धन्यवाद ज्ञापन डा. नवीन सिन्हा ने किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार सरकार की मंत्री रेणु देवी, केदार गुप्ता, पांचवां स्तंभ की सचिव साथी संगीता सिन्हा, पूर्व मंत्री सुरेश कुमार शर्मा, प्रो. तारण राय, डा. बरुण कुमार राय, रजिस्ट्रार डा. अपराजिता कृष्णा, डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह, आरबीबीएम कालेज की प्राचार्या डा. ममता रानी, आरसी कालेज सकरा की प्राचार्य डा. अनिता शर्मा, भाजपा नेत्री बेबी कुमारी के साथ ही भाजपा के नेता समेत अन्य उपस्थित हुए। प्रतिमा अनावरण समारोह के बाद आयोजित व्याख्यान में शामिल होकर राज्यपाल विश्वविद्यालय पहुंचे। वहां वे कुलपति आवास में ठहरे और कुलपति समेत अन्य लोगों से बातचीत की।

चिल्ड्रेन पार्क में मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण करते राज्यपाल • जागरण

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 19.11.2024, PAGE-04

मृदुला सिन्हा मेरी मां समान थीं, उन्होंने जनसेवा की मिसाल पेश की

बोले राज्यपाल

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। एलएस कॉलेज परिसर स्थित चिल्ड्रेन पार्क में सोमवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने गोवा की पूर्व राज्यपाल पद्मश्री दिवंगत मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण किया। अनावरण के बाद राज्यपाल ने एलएस कॉलेज के ऑडिटोरियम में सहजता की भव्यता विषय पर व्याख्यान भी दिए।

राज्यपाल ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। मृदुला सिन्हा मेरी मां की तरह थीं। मुझे उनके सानिध्य में रहने का मौका मिला था। वह साहित्य लेखन करती थीं। हिन्दी भाषा के उत्थान में उनका काफी योगदान है। उन्होंने बिहार के लोक साहित्य को सबके सामने रखा। उन्होंने कहा कि मृदुला सिन्हा सबसे अलग राज्यपाल थीं। उन्होंने सहजता और जनसेवा की मिसाल पेश की।

एलएस कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल।

- **राज्यपाल ने मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का किया अनावरण**
- **कहा, साहित्य की बड़ी हस्ती थीं मृदुला सिन्हा**

सोमवार को एलएस कॉलेज के चिल्ड्रेन पार्क में स्वर्गीय मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण करते राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर।

इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत में कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना पर नृत्य पेश किया। इसके बाद कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल, मंत्री रेणु देवी, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय, एलएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओपी राय, प्रो. तारण राय और नवीन सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। प्रतिमा प्रो. तारण राय द्वारा जयपुर से बनवाई गई है। महिला पॉलिटेक्निक की छात्राओं ने स्वागत गान पेश किया। स्वागत भाषण प्रो. ओपी राय ने दिया। कहा कि मृदुला सिन्हा ऐसी शख्सियत थीं, जिनकी सहजता में एक अद्भुत भव्यता विद्यमान थी। पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा ने कहा कि मृदुला जी का व्यवहार बहुत सहज था। मृदुला सिन्हा के पुत्र नवीन सिन्हा ने कहा कि उनकी मां जिससे मिलती थीं, उससे एक रिश्ता बना लेती थीं।

कार्यक्रम में महिला पॉलिटेक्निक के प्राचार्य प्रो. वरुण कुमार राय, बीआरएबीयू के प्रॉक्टर प्रो. विनय शंकर राय, रजिस्ट्रार प्रो. अपराजिता कृष्णा, इतिहास विभाग के प्रो. पंकज कुमार राय, आरबीबीएम कॉलेज की प्राचार्य प्रो. ममता रानी, आरडीएस कॉलेज की प्राचार्य प्रो. अनीता सिंह, बीआरएबीयू के डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह, मेयर निर्मला साहू, प्रो नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:19.11.2024, PAGE-06

तैयारी : चार वर्षीय बीएड में शुरू होगा योग का कोर्स

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। चार वर्षीय बीएड में योग का कोर्स भी लांच होगा। एनसीटीई (नेशनल काउंसिल टीचर एजुकेशन) अगले साल से इस कोर्स को शुरू करने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। योग के अलावा चार वर्षीय बीएड में संस्कृत विषय भी लांच होगा।

अबतक चार वर्षीय बीएड में साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स के विषय होते हैं। संस्कृत और योग विषय नये लांच किये जाएंगे। अगले साल से यह कोर्स शुरू किया जा सकता है। एनसीटीई इसकी तैयारी कर रहा है। पूरे बिहार में चार कॉलेजों में चार वर्षीय बीएड कॉलेज चलते हैं। सभी चार वर्षीय बीएड कॉलेज बीआरएबीयू के तहत ही आते हैं।

शिक्षकों को मिलेगी डिजिटल तकनीक की ट्रेनिंग

बीएड का कोर्स कर रहे प्रशिक्षु शिक्षकों को डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल छात्रों को पढ़ाने में कैसे करें, इसकी भी जानकारी दी जाएगी। एनसीटीई चार वर्षीय बीएड में स्किल कोर्स के तौर पर डिजिटल तकनीक को लाने के लिए भी चार वर्षीय बीएड छात्रों को प्रशिक्षण देगा। एनसीटीई का कहना है कि इससे छात्रों को पढ़ाने में आसानी होगी।

बीएड कॉलेजों में विज्ञान के छात्रों के लिए खुलनी है लैब

चार वर्षीय बीएड कॉलेजों में विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए साइंस लैब भी खुलने हैं। इसका निर्देश भी एनसीटीई ने दिया है। साइंस लैब में बीएससी बीएड के छात्रों को प्रैक्टिकल की सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा कोर्स पास करने के बाद साइंस का प्रैक्टिकल कैसे कराएं इसकी भी ट्रेनिंग प्रशिक्षु शिक्षकों को दी जाएगी।

चार वर्षीय बीएड में चार सौ सीटों पर हर साल दाखिला होता है।

सभी बीएड कॉलेजों में शुरू होना है चार वर्षीय बीएड : एनसीटीई सभी बीएड कॉलेजों में इंटीग्रेटेड बीएड शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों को कॉलेजों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। जांच में कॉलेज की आधारभूत संरचना, साधन और शिक्षकों की जांच करनी है। बीआरएबीयू के इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेज प्रो. अरविंद कुमार ने बताया कि कॉलेजों की जांच की प्रक्रिया चल रही है। एनसीटीई चाहता है कि अगले वर्ष से ही सभी बीएड कॉलेजों को इंटीग्रेटेड बीएड कॉलेज में तब्दील कर लिए जाएं।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 19.11.202, PAGE-06

समर्थ के 43 माड्यूल के लिए विश्वविद्यालय में बनेंगे समन्वयक व एडमिन

- **आनलाइन कार्यशाला में शामिल हुए प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के नोडल और प्रतिनिधि**
- **उच्च शिक्षा विभाग के उप निदेशक सह समर्थ के राज्य नोडल पदाधिकारी ने भी लिया हिस्सा**

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: समर्थ पोर्टल पर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों का ई-गवर्नेंस शुरू किया जाएगा। इसके लिए समर्थ की ओर से हर राज्य के लिए एक-एक समन्वयक नियुक्त किए जाएंगे। तकनीकी से लेकर सभी समस्याओं का समाधान समन्वयक के स्तर से होगा। समर्थ पोर्टल पर एकाउंट, फिनांस, परीक्षा, रिजल्ट, पेंशन समेत कुल 43 से अधिक माड्यूल उपलब्ध हैं। हर एक माड्यूल के लिए विश्वविद्यालय स्तर से एडमिन और कोआर्डिनेटर बनाए जाएंगे। इसके बाद इसकी सूची विश्वविद्यालय के स्तर से समर्थ को भेजी जाएगी।

सूची में सभी समितियों के नाम अधिसूचित होंगी। इसके बाद समर्थ की ओर से सारे माड्यूल के एडमिनिस्ट्रेटर को लागइन आइडी और पासवर्ड दिए जाएंगे। इसके बाद संस्था की ओर से साफ्टवेयर उपलब्ध कराया जाएगा। साफ्टवेयर के क्रियान्वयन में जो भी तकनीकी मदद होगी उसे भी संस्थानों को उपलब्ध कराया जाना है। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को समर्थ पोर्टल से जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। इस दिशा में पहली बार समर्थ की ओर से आनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बिहार के सभी विश्वविद्यालयों के नोडल समेत अन्य जुड़े। वहीं उच्च शिक्षा विभाग के उप निदेशक सह समर्थ के राज्य नोडल पदाधिकारी दीपक कुमार सिंह भी इस आनलाइन कार्यशाला में शामिल हुए। विशेषज्ञ की टीम ने सभी विश्वविद्यालयों को समर्थ की कार्य प्रणाली से लेकर इसे लागू करने के बाद होने वाले परिणाम और प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी।

बताया गया कि समर्थ से गुणवत्तापूर्ण मानीटरिंग और बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। आनलाइन कार्यशाला करीब डेढ़ घंटे तक चली। इसमें बीआरए बिहार विश्वविद्यालय से समर्थ के नोडल इंचार्ज प्रो. रामकुमार और विकास पदाधिकारी डा. रमेश विश्वकर्मा शामिल हुए। विशेषज्ञों की ओर से बताया गया है कि आने वाले दिनों में समर्थ के बेहतर कार्यान्वयन के लिए और भी कार्यशाला का आयोजन होगा।

आइटी सेल का होगा गठन, डाटा होगा अपलोड: सभी विश्वविद्यालयों में समर्थ के लिए एक समिति का गठन होगा। इसके साथ ही अलग से आइटी सेल भी बनाया जाएगा। इससे छात्र-छात्राओं से जुड़े हर रिकार्ड और पूरे डाटा की एंट्री कराई जाएगी। सभी माड्यूल के लिए एडमिनिस्ट्रेटर का नाम तय कर समर्थ को उपलब्ध कराना है तभी उसका एक्सेस विश्वविद्यालय को प्राप्त हो सकेगा। समर्थ पोर्टल शिक्षा मंत्रालय की ओर से शुरू की गई एक निशुल्क सुविधा है। सूबे के सभी विश्वविद्यालयों की सहमति के बाद राज्य सरकार की ओर से 15 अप्रैल को समर्थ नई दिल्ली से एमओयू किया गया था। उच्च शिक्षा विभाग के स्तर से बताया गया है कि समर्थ भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से संपोषित और निर्देशित यूएमआइएस प्रणाली है। इसके तहत छात्रों को आवेदन से डिग्री तक की जानकारी एक पोर्टल पर मिलेगी। समर्थ की व्यवस्था 11 राज्यों समेत 40 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में संचालित की जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग की मानें तो छात्र-छात्राओं को नामांकन के लिए आवेदन, परीक्षा फार्म, रजिस्ट्रेशन, डिग्री, प्रोविजनल समेत अन्य कार्यों के लिए अलग पोर्टल से आवेदन करना होता है। इससे उनकी परेशानी बढ़ जाती है।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 19.11.2024, PAGE-04

पद्मश्री मृदुला सिन्हा की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का राज्यपाल ने किया अनावरण

मृदुला सिन्हा गवर्नर बनकर गोवा आयीं तो लगा मां आ गयी : राज्यपाल

आयोजन

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

गोवा की पूर्व राज्यपाल रहीं पद्मश्री डॉ मृदुला सिन्हा की चौथी पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि पद्मश्री मृदुला सिन्हा के सानिध्य में गोवा में रहने का अवसर मिला. तब मैं एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा था. उस समय मृदुला जी पार्टी की नेता थीं. जब वे गोवा की राज्यपाल बनकर आयीं तो मेरे जैसे कार्यकर्ता को लगा जैसे मां आ गयी. उनको मां के स्वरूप में ही देखा. उनकी प्रतिमा का अनावरण करना मेरे लिए सौभाग्य का क्षण है. राज्यपाल ने कहा कि हिंदी भाषा के उत्थान के लिए उन्होंने काफी प्रयास किये. बिहार की लोक संस्कृति को अपने साहित्य के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया. मुझे वह क्षण याद है जब मृदुला सिन्हा ने मुझे मंत्री के रूप में शपथ दिलायी थी. इससे कुछ दिन पूर्व ही मेरी मां का देहांत हुआ था. इसके ठीक बाद मैं मंत्री बना था. शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने मेरे पीठ पर हाथ रखा और कहा आते रहिएगा. इसके बाद मुझे ऐसा लगा कि एक मां तो गुजर गयीं पर दूसरी मां मेरे सम्मुख हैं. उसके बाद जब भी मैं उनसे मिला वे हमेशा मां की तरह स्नेह देती रहीं. कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनालिसा ने किया. इस दौरान पांचवां स्तंभ पत्रिका का विमोचन भी राज्यपाल ने किया.

डॉ मृदुला सिन्हा में थी सहजता व अद्भुत भव्यता. अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने कहा कि डॉ मृदुला सिन्हा ने एक ऐसी शख्सियत थीं जिनकी सहजता में एक अद्भुत भव्यता विद्यमान थी. उनका लंगट सिंह कॉलेज के प्रति विशेष लगाव था. इस कारण उनकी प्रतिमा कॉलेज परिसर में स्थापित किया गया. अब मृदुला सिन्हा हमेशा के लिए चिल्ड्रेंस पार्क में रहेंगी. प्रो. राय ने कहा राज्यपाल के कॉलेज आगमन से से न केवल कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि इससे कॉलेज को सकारात्मक ऊर्जा और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा.

पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, कुलपति डीसी राय, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, नवीन सिन्हा व अन्य.

- बोले- गोवा के राज्यपाल के रूप में मृदुला सिन्हा का कार्यकाल स्वर्णकाल के रूप में याद किया जाएगा

बिहार के लोकचित्र को गोवा के लोगों के सामने रखा

बिहार के लोकचित्र को गोवा के लोगों के सामने रखा. वे स्वयं लोगों के घर जाने लगीं. गोवा की लोक संस्कृति को समझने की कोशिश की. महिला संगठनों को राजभवन में बुलाकर बात की. राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल गोवा के लिए स्वर्णकाल की तरह था.

जिनसे मिलती थीं उनके जीवन से एक कहानी चुरा लेती थीं : नवीन

पद्म श्री मृदुला सिन्हा के पुत्र नवीन सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि मां ने यह जीवन दिया और जाने के बाद भी हमेशा उनकी वजह से कुछ न कुछ मिलता रहता है. उनकी वजह से ही यह समृद्ध मंच मिला. उन्होंने बताया कि मां का साहित्य से विशेष जुड़ाव था. वे बताती थीं कि वे जिनसे भी मिलती थीं उनके जीवन से एक कहानी चुरा लेती थीं. उसे आकार देकर सबके सामने लाती थीं. राजनीति और साहित्य के बीच समन्वय बनाकर वे निरंतर आगे बढ़ती रहीं. बता दें कि नवीन सिन्हा भाजपा सहयोग सेल के राष्ट्रीय संयोजक हैं. इस कार्यक्रम में उनकी पत्नी संगीता सिन्हा भी मौजूद थीं.

प्रतिमा अनावरण के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित करते राज्यपाल सहित अन्य.

राजस्थान में बनवायी गयी प्रतिमा

एलएस कॉलेज के चिल्ड्रेंस पार्क में डॉ मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण राज्यपाल ने किया. प्रो. डॉ तारण राय ने इस प्रतिमा का निर्माण राजस्थान के जयपुर में कराया था. उन्होंने कहा कि प्रतिमा और चबूतरा निर्माण में सहमति के लिए कुलपति का विशेष सहयोग रहा है.

कार्यक्रम में इनकी भी रही उपस्थिति

विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री राजभूषण निषाद, बिहार सरकार की मंत्री रेणु देवी, केदार गुप्ता, पांचवां स्तंभ की सचिव साध्वी संगीता सिन्हा, पूर्व मंत्री सुरेश कुमार शर्मा, प्रो. तारण राय, मेयर निर्मला साहू, उपमेयर डॉ मोनालिसा, ममता रानी, डॉ वरुण कुमार राय, विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ अपराजिता कृष्णा, डीएसडब्ल्यू डॉ आलोक प्रताप सिंह, नरेंद्र सिंह, उदय शंकर सिंह, कमोद प्रसाद, पूर्व विधायक बेबी कुमारी, अमिताभ कुमार, नीरज नयन, अभय सिंह, दीपक पोद्दार, योगेंद्र सिंह गंभीर, डॉ शिवनादुल्ला, पूर्व डिप्टी मेयर विवेक कुमार, राजीव कुमार पंकू, माधव जी, रघुनंदन प्रसाद उर्फ अमर बाबू सहित कई अन्य मौजूद थे.

RASHTRIYA SAHARA, MUZAFFARPUR, DATE : 19.11.2024, PAGE-08

महिलाओं को सुसंस्कृत व शिक्षित बनाने के प्रयास को लेकर हमेशा अमर रहेंगी डॉ. मृदुला सिन्हा : राज्यपाल

राज्यपाल ने किया गोआ की पूर्व राज्यपाल डॉ. मृदुला सिन्हा की पुण्यतिथि पर एलएस कॉलेज पार्क में उनकी प्रतिमा का अनावरण

VISHWA GURU BHARAT, MUZAFFARPUR, DATE: 19.11.2024, PAGE-04

ब्रम्हर्षि विकास संगठन मुजफ्फरपुर: पदमश्री स्वर्गीय (डॉक्टर) मृदुला सिन्हा जी, पूर्व राज्यपाल, गोवा के प्रतिमा का अनावरण लंगट सिंह महाविद्यालय के चिल्ड्रेन्स पार्क में श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, माननीय राज्यपाल सह कुलाधिपति, बिहार के कर कमलों द्वारा संपन्न

कोमल शाही (विश्व गुरु भारत)

मुजफ्फरपुर। 27/11/ 1942 को मुजफ्फरपुर के छपरा गांव में जन्मी मृदुला जी की मृत्यु 18/11/2020 को हो गई थी। जन्म से ही विलक्षण गुणों से संपन्न मृदुला जी भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्षा बनी साथी ही 2014 से अक्टूबर 2019 तक गोवा की पहली महिला राज्यपाल बनने का गौरव मिला। बाजपेई जी की सरकार में केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष भी बनी थी। उनकी लिखी हुई 46 से ज्यादा पुस्तकों में सबसे मशहूर हुआ' एक थी रानी ऐसी भी जिस पर फिल्म भी बनी थी। उनके उपन्यास ज्यों मेहदी का रंग, नई देवयानी, घरवास, सीता पुनि बोली, सावित्री, तिशय भरपूर मशहूर हुआ। विभिन्न कहानी संग्रहों में एक दिए की दिवाली, अपना जीवन जैसे ने खूब नाम कमाए। बच्चों के लिए भी बहुत सारी पुस्तके लिखी। व्यक्तिगत मुलाकात भी बहुत ही अदभुत था। हमने घंटों बातचीत किया। महिलाओं के लोक जीवन की अद्‌भुत समझ रखने वाली स्वर्गीय मृदुला जी ने एक छोटी सी लेकिन मेरे समझ से बहुत बड़ी बातों पर चर्चा की वह था महिलाओं. को मिलने वाले खोईक्षा खोईक्षा के धान, दूब, हल्दी, आजमाईन के गुण समझाए। धान इसलिए क्योंकि उसे बोया जाता है एक खेता में, पैदावार जब तक दूसरे खेत में न लगाया जाए, नहीं देती।जब दूसरे खेत में लगाई जाती है, थोड़े दिनों के लिए पिला जरूर होती है, पर अनुकूल वातावरण मिलते ही हरा भरा हो जाती है।ऐसी ही होती है हमारी बेटियां। दूब इसलिए की सूखने के बावजूद अनुकूल वातावरण मिलते ही फिर से हरि भरी हो जाती है। हल्दी और आजमाइन सभी दर्दनाशक है, जो नए घरों के पीड़ा को दूर करती है। अद्‌भुत आज चौथी पुण्यतिथि पर मुजफ्फरपुर की बेटी की घर वापसी हुई है। एक अत्यंत ज्वलनशील व्यक्ति जो कूप मंडूक है ने लिख कर पूछा उनका मुजफ्फरपुर के लिए योगदान क्या है? मैं उन्हें और सभी से आग्रह करना चाहता हूं कि सभी व्यक्तिगत हितों के गुलाम होते है, लेकिन एक मां सरस्वती ही है जो सभी को ज्ञान प्रदान कर जीने की कला सिखलाती है, और उन्नति का पथ प्रशस्त करती है। स्वर्गीय मृदुला जी सरस्वती की अवतार थी। मुजफ्फरपुर के बेटियों के लिए मिशाल थी आगे बढ़ो और जीत लो दुनिया शायद मुजफ्फरपुर को गौरवान्वित करने वाली ऐसी बेटियां फिर से मुजफ्फरपुर के आंचल में मिले और भारत मां, और मुजफ्फरपुर को गौरवान्वित कर जाए। स्वर्गीय मृदुला जी की आत्मा मुजफ्फरपुर शहर में मूर्ति के रूप में स्थापित हो गई है। उनकी प्रेरणा से आगे बढ़े सभी बेटियां और जीत ले दुनियां।